जयशंकर प्रसाद की काव्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

4. 'भिक्षुक' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

'भारत माता ग्रामवासिनी' कविता में कवि पंत ने भारत की स्थिति को कैसे दर्शाया है- वर्णन कीजिए।

5. 'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का भाव-पक्ष लिखिए। (15)

अथवा

महादेवी वर्मा को आधुनिक युग की मीरा क्यों कहा जाता है- विश्लेषित कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1323 **L**

Unique Paper Code : 2052102402

Name of the Paper : Aadhunik Hindi Kavita (Chhayawad Tak)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – DSC**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10×3=30)

(क) भीतर भीतर सब रस चूसै।
हँसि हँसि के तन मन मूसै।।
जाहिर बातन में अति तेज।
क्यों सखि सज्जन नहिं अंग्रेज।।

अथवा

आनंददात्री शिक्षिका है सिद्ध कविता-कामिनी,

है जन्म से ही वह यहाँ श्रीराम की अनुगामिनी।

पर अब तुम्हारे हाथ से वह कामिनी ही रह गई,

ज्योत्सना गयी देखो, अंधेरी यामिनी ही रह गई।

(ख) कैसी मधुर मनोहर उज्ज्वल है यह प्रेम-कहानी।

जी में है अक्षर बन इसके बनूँ विश्व की बानी।

स्थिर, पवित्र, आनंद-प्रवाहित, सदा शांति सुखकर है।

अहा! प्रेम का राज्य परम सुंदर, अतिशय सुंदर है।

अथवा

कौन लेगा भार यह?

जीवित है कौन?

सांस चलती है किसकी

कहता है कौन ऊंची छाती कर, में हूँ -

मैं हूँ - मेवाड़ में,

(ग) कंकाल- जाल जग में फैले

फिर नवल रुधिर, पललव-लाली!

प्राणों की मर्मर से मुखरित

जीव की मांसल हरियाली!

अथवा

भर रही कोकिला इधर तान,

मारु बाजे पर उधर गान,

है रंग और रण का विधान,

मिलने आए हैं आदि-अंत,

वीरों का कैसा हो वसंत?

2. नए जमाने की मुकरियों का प्रतिपाद्य लिखिए। (15)

अथवा

स्वतंत्रता संग्राम के परिप्रेक्ष्य में भारत भारती की प्रासांगिकता पर प्रकाश डालिए।

3. 'पथिक' कविता में व्याप्त प्रकृति-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा